

8.3.17 क्रील वापी अनुपलब्ध  
जानाजाय रूप की समाप्ति तक  
युक्त 2 रूप से तीव्र बार अलग 2  
रूप से आवाजे मिल गई थी/ लेकिन  
क्रील व वापी से से कोई साधक  
नहीं हुआ है/ (विद्या) वापी में  
वाड कदम पैरों की कदम साधनी  
से समाप्त किया जाता है।

पत्रावली के सल शुभार होना  
कारखाने चलकर है।

सहायक कलेक्टर  
SDO सिवनी